Khwabon Ka Karwaan

Modicare FOUNDATION

Newsletter
December | 2025

Celebrations and Recognition

December at Khwabgah was defined by festive cheer and the celebration of student milestones. The month began with meaningful observances, including the International Day of Persons with Disabilities, where the focus was on raising awareness and fostering sensitization regarding inclusivity for children with disabilities. We also embraced the holiday spirit with Christmas celebrations - students channeled their creativity into crafting a variety of festive decorations, bringing color and joy to the classrooms. The end of the year was also a time for rewards and recognition. In a special distribution drive, storybooks were given to all the students of Classes 1 to 5 at Jasola School to encourage reading and bags with stationery kits were distributed to students of Class 5 to promote learning. A highlight for the Class 5 students was a special photography session with their teachers and Ms. Latika Dikshit, the Director of the Modicare Foundation. Academic and artistic excellence were also honored. We distributed prizes to the 1st, 2nd, and 3rd place winners of the art competition for Classes 4 and 5 across both shifts. Additionally, report cards analyzing both academic and non-academic performance were handed out to Classes 4 and 5.

Khwabon Ka Karwaan

Modicare FOUNDATION

Newsletter
December | 2025

Session on Substance Use

AOC team conducted a vital session aimed at adolescents in Samarpan Foundation, focusing on the critical topic of Substance Use. Recognizing that adolescence is a vulnerable period for experimentation, the session was designed to equip young people with the knowledge and skills needed to make healthy life choices. The interactive workshop covered the multifaceted consequences of substance abuse, broken down into four key areas - Physical Health, Mental Well-being, Financial Impact and Social Dynamics. A significant portion of the session was dedicated to Refusal Skills. Adolescents were provided with practical strategies to handle peer pressure, teaching them how to confidently say "No" without fear of social exclusion. The goal was to foster a supportive environment where staying substance-free is seen as a strength, not a weakness.

Empowering Adolescents

A comprehensive three-day training session was organized for the adolescents associated with the Institute of Social Services Trust (ISST) at the Kalyanpuri center. The topics covered included Life skills, Growing Up and Child Sexual Abuse among others. The primary objective of this workshop was to equip young individuals with essential tools to navigate the complex transition from childhood to adulthood, fostering resilience and informed decision-making.

Khwabon Ka Karwaan

Modicare FOUNDATION

Newsletter
December | 2025

उत्सव और सम्मान

ख़्वाबगाह में दिसंबर का महीना उत्सव और विद्यार्थियों की उपलब्धियों के जश्न से भरा रहा। महीने की शुरुआत अंतरराष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस जैसे महत्वपूर्ण कार्यक्रमों से हुई, जहाँ दिव्यांग बच्चों के लिए समावेशन और जागरूकता बढ़ाने पर ज़ोर दिया गया। क्रिसमस के उत्सव के दौरान छात्रों ने अपनी रचनात्मकता दिखाते हुए कागज़ के सुंदर क्रिसमस ट्री और तरह-तरह की सजावट बनाई, जिससे कक्षाएँ रंग-बिरंगी और खुशियों से भर गईं।साल का अंत पुरस्कार और सम्मान के साथ हुआ। एक विशेष वितरण अभियान के तहत जसौला स्कूल में कक्षा 1 से 5 के विद्यार्थियों को पढ़ने की आदत बढ़ाने के लिए किताबें दी गईं और कक्षा पाँचवीं के विद्यार्थियों में सीखने को बढ़ावा देने के लिए स्टेशनरी किट के साथ बैग वितरित किए गए । कक्षा 5 के छात्रों के लिए एक खास आकर्षण उनके शिक्षकों और मोदीकेयर फ़ाउंडेशन की निदेशक, श्रीमती लतिका दीक्षित के साथ फोटो सेशन रहा।शैक्षणिक और कलात्मक उत्कृष्टता को भी सम्मानित किया गया। दोनों शिफ्टों में कक्षा 4 और 5 की कला प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को पुरस्कार दिए गए। इसके अलावा कक्षा 4 और 5 के विद्यार्थियों को उनकी शैक्षणिक और सह-शैक्षणिक प्रगति दर्शाने वाली रिपोर्ट कार्ड भी दिए गए।

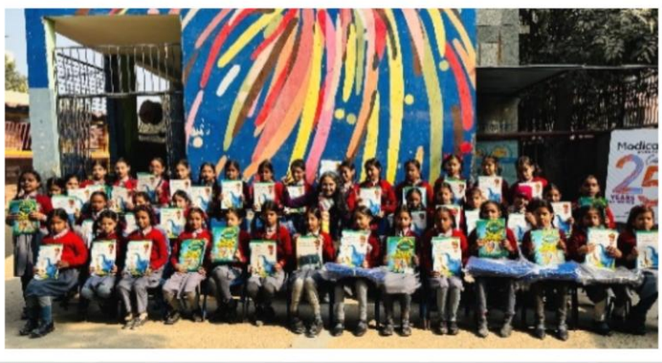

Khwabon Ka Karwaan

Modicare FOUNDATION

Newsletter
December | 2025

नशे के उपयोग पर सत्र

एओसी टीम ने समर्पण फ़ाउंडेशन में किशोरों के लिए एक महत्वपूर्ण सत्र आयोजित किया, जिसमें नशे के उपयोग जैसे गंभीर विषय पर चर्चा की गई। यह समझते हुए कि किशोरावस्था प्रयोग करने का संवेदनशील समय होता है, इस सत्र का उद्देश्य युवाओं को स्वस्थ जीवन के लिए सही निर्णय लेने की जानकारी और कौशल देना था। संवादात्मक कार्यशाला में नशे के दुष्प्रभावों को चार भागों में समझाया गया—शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक स्वास्थ्य, आर्थिक प्रभाव और सामाजिक संबंध।

सत्र का एक बड़ा हिस्सा "ना कहने की कला" पर केंद्रित था। किशोरों को साथियों के दबाव से निपटने के व्यावहारिक तरीके सिखाए गए, ताकि वे बिना डर के आत्मविश्वास के साथ "ना" कह सकें। उद्देश्य ऐसा सहयोगी माहौल बनाना था, जहाँ नशे से दूर रहना कमजोरी नहीं बल्कि ताकत माना जाए।

किशोरों का सशक्तिकरण

हाल ही में कल्याणपुरी केंद्र में इंस्टिट्यूट ऑफ सोशल सर्विसेज ट्रस्ट (ISST) से जुड़े किशोरों के लिए तीन दिवसीय प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया। इसमें जीवन कौशल, बड़ा होना, बाल यौन शोषण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई।

इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य युवाओं को बचपन से वयस्कता की ओर बढ़ते समय आने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए आवश्यक ज्ञान और आत्मविश्वास प्रदान करना था, ताकि वे समझदारी से निर्णय ले सकें।